Under CSR Support by Ipca Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

अध्याय-2 | तुलसीदास

Worksheet-1

बहुविकल्पी प्रश्न

1. लक्ष्मण ने परशुराम के किस स्वभाव पर व्यंग्य किया है?

(अ) चाटुकारिता (ब) बड़बोलापन
(स) मधुर (द) आलसीपन

2. राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद में आप ने अपने धनुष बाण और कुठार व्यर्थ रखे हैं। किसने कहा?

(अ) जनक (ब) लक्ष्मण
(स) परशुराम (द) द्रोण

3. इनमें कौन-सी रचना तुलसीदास जी की नहीं है?

(अ) सुदामा-चरित (ब) कवितावली
(स) विनय पत्रिका (द) रामचरितमानस

4. लक्ष्मण को शांत रहने के लिए किसने कहा?

(अ) विश्वामित्र ने (ब) राजा जनक ने
(स) प्रजा ने (द) श्रीराम ने

5. परशुराम जी की स्वभावगत विशेषताएँ हैं—

(अ) क्षत्रियकुल से द्रोह रखने वाले (ब) ये सभी
(स) अतिक्रोधी (द) बालब्रह्मचारी

6. परशुराम जी अपने किस अस्त्र से लक्ष्मण को डरा रहे थे?

(अ) तलवार से (ब) भयंकर बाणों से
(स) फरसे से (द) धनुष से

7. सहस्रबाहु किसका शत्रु था?

(अ) राजा जनक का (ब) महर्षि परशुराम का
(स) जनकपुर का (द) राजा दशरथ का

8. राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद में परशुराम के स्वभाव का क्या परिचय मिलता है?

(अ) वे एक शांत स्वभाव वाले और आत्मप्रशंसा करने वाले ऋषि हैं।
(ब) इनमें से कोई नहीं
(स) वे पराक्रमी तथा अहंकारी हैं तथा क्षत्रियों से द्वेष करने वाले हैं।
(द) वे अत्यंत क्रोधी और असहनशील ऋषि नहीं हैं।

9. राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद में यह कौन कहता है कि धनुष तोड़ने वाला तुम्हारा ही कोई दास होगा?

(अ) राम (ब) विश्वामित्र
(स) परशुराम (द) लक्ष्मण

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

10. **संभुधन भंजनिहारा कौन है?**

(अ) विश्वामित्र
(ब) परशुराम
(स) वशिष्ठ
(द) राम

रिक्त स्थान :

11. तुलसीदास ने अपने काव्य में ____________ भाषा का प्रमुखता से प्रयोग किया।

12. सहस्त्रबाहु को ____________ ने मारा था।

सत्य / असत्य

13. कौसिक संबोधन विश्वामित्र के लिए प्रयुक्त हुआ है।

14. क्षत्रियकाल द्रोही जनक को कहा गया है?

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. "इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं"पंक्ति से क्या आशय है?

16. तुलसीदास का जन्म कब और कहाँ हुआ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. राम-लक्ष्मण-परसुराम संवाद में गाधिसूनु किसे कहा गया है? वे मुनि की किस बात पर मन ही मन मुस्कुरा रहे थे?

18. लक्ष्मण-परशुराम संवाद के आधार पर लक्ष्मण के स्वभाव की दो विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न

19. राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद पाठ के आधार पर तुलसी के भाषा सौंदर्य पर दस पंक्तियाँ लिखिए।

20. भाव स्पष्ट कीजिए —

(क) बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारू। चहत उड़ावन फूँकि पहारू।।

(ख) इहाँ कुम्हड़बतिया कोड नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।।
देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना ।।

HOTS

21. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि-पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू ।।
इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।।
देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी।।
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

21. (i) लक्ष्मण कोमल वाणी में किन्हें संबोधित कर रहे हैं?

(अ) मुनिवर परशुराम
(ब) गुरु विश्वामित्र
(स) दशरथपुत्र राम
(द) राजा जनक

21. (ii) इन पंक्तियों में लक्ष्मण ने परशुराम के लिए व्यंग्य में क्या कहा?

(अ) हे मुनिश्रेष्ठ महान योद्धा होते हुए आपको बार-बार फरसा दिखाने की आवश्यकता क्या है?
(ब) हे मुनिवर आपके बारे में ज्ञात है कि आप तो क्षत्रियकुल के विनाशक हैं।
(स) मुनीश्वर आपने अनेक राजाओं से भूमि जीतकर ब्राह्मणों को दी है।
(द) हे मुनिवर आपके पास तो वह फरसा है जिससे आपने राजा सहस्रबाहु का वध किया था।

21. (iii) इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं। का आशय है —

(अ) हम दुर्बल नहीं जो आपके फरसे को देखकर डर जाएँगे।
(ब) हम कुम्हड़े का फल नहीं जो देखते ही मुरझा जाएँगे।
(स) हम दुर्बल नहीं जो आपके क्रोधपूर्ण वचनों से डर जाएँगे।
(द) हम कुम्हड़े का फल नहीं जो छूते ही सूख जाएँगे।

21. (iv) यज्ञोपवीतधारी ब्राह्मण समझकर हम अपने क्रोध को नियंत्रित कर आपके कठोर व्यवहार को सहन कर रहे हैं। यह भाव किस पंक्ति में आया है?

(अ) बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी ।।
(ब) देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना ।।
(स) पुनि-पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू ।।
(द) भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी ।।

21. (v) लक्ष्मण द्वारा रघुकुल में किस-किस पर शूरवीरता न दिखाने की बात कही गई?

(अ) सुर, ब्राह्मण, भगवान के भक्त, गायक
(ब) देवता, ब्राह्मण, भगवान के भक्त, गाय
(स) असुर, ब्राह्मण, भगवान के भक्त, गाय
(द) सुर, महिसुर, हरिजन, गायिका

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

1. (ब) पाठ के अनुसार लक्ष्मण ने परशुराम के बड़बोलापन पर व्यंग्य किया है।

2. (ब) पाठ के अनुसार प्रस्तुत कथन लक्ष्मण ने परशुराम से कहे हैं।

3. (अ) उपरोक्त में से सुदामा-चरित तुलसीदास की रचना नहीं है। यह नरोत्तमदास की रचना है।

4. (द) लक्ष्मण को श्रीराम ने शांत रहने को कहा।

5. (ब) परशुराम जी ने अपनी प्रशंसा के रूप में इन विशेषणों का प्रयोग करते हुये यह पंक्ति कही है- बाल ब्रह्मचारी अति ...।

6. (स) फरसे से।

7. (ब) सहस्रबाहु महर्षि परशुराम का शत्रु था ।

8. (स) वे पराक्रमी तथा अहंकारी हैं तथा क्षत्रियों से द्वेष करने वाले हैं।

9. (अ) राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद में राम परशुराम जी से कहते हैं कि धनुष तोड़ने वाला तुम्हारा ही कोई दास होगा।

10. (द) शिव जी के धनुष को तोड़ने वाले श्री राम जी हैं।

11. रिक्त स्थान : ब्रज भाषा

12. रिक्त स्थान : परशुराम ने

13. सत्य / असत्य : सत्य

14. सत्य / असत्य : असत्य

15. पंक्ति से क्या आशय — यहाँ कोई भी कुम्हड़े के छोटे फल के समान नहीं है

16. पाठ के अनुसार तुलसीदास का जन्म सन् 1532 में उत्तर प्रदेश के बाँदा जिले के राजापुर ग्राम में हुआ था।

17. गाधिसूनु मुनि विश्वामित्र को कहा गया है। परशुराम, राम-लक्ष्मण को साधारण मानव समझ रहे थे। उनके सामने अपने पराक्रम का बखान कर राम-लक्ष्मण को डराने का प्रयास कर रहे थे। वे उन दोनों की वास्तविकता से अनजान थे। परशुराम के इसी आचरण पर विश्वामित्र मुस्कुरा रहे थे।

18. राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद में लक्ष्मण की दो विशेषताएँ निम्नलिखित हैं —

1. लक्ष्मण साहसी और पराक्रमी थे ।
2. वे व्यंग्य करने में माहिर और क्रोधी स्वभाव के थे।

19.

i. तुलसीदास भक्तिकाल के कवि माने जाते हैं।
ii. इस काल के अन्य कवियों की तरह ही तुलसीदास ने भी आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग किया।
iii. इसमें तत्सम शब्दों का प्रयोग भरपूर मात्रा में किया गया है।
iv. यह रचना अवधी में लिखी गई है।
v. जो गंगा के मैदान के एक बड़े हिस्से में बोली जाती है।
vi. यह कहने में अतिशयोक्ति नहीं होगी कि रामचरितमानस के लिखे जाने के बाद ही रामायण समकालीन भारत के अधिकाँश लोगों को सही ढंग से समझ आई होगी।
vii. तुलसीदास ने चौपाइयों और दोहों का प्रयोग किया है।
viii. जिन्हें आसानी से संगीतबद्ध किया जा सकता है।
ix. ये चौपाइयाँ आसानी से किसी की भी जुबान पर चढ़ सकती हैं।
x. तुलसीदास ने इस रचना में व्यंग्य का भरपूर प्रयोग किया है।
xi. साथ में उन्होंने रौद्र रस और करुणा रस का भी प्रयोग किया है।

20. (क) *बिहसि लखनु बोले मृदु बानी।*
अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारू।
चहत उड़ावन फूँकि पहारू ।।

भाव — इन पंक्तियों में लक्ष्मण परशुराम जी के क्रोध और उनके बार-बार फरसा दिखाने पर कटाक्ष करते हुए कहते हैं कि हे मुनिवर! आप स्वयं को बहुत बड़ा योद्धा मानते हैं। आप मुझे बार-बार यह फरसा दिखा रहे हैं, मानो आप फूँक मारकर किसी पहाड़ को उड़ाना चाहते हों।

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

लक्ष्मण यहाँ परशुराम की चुनौती को स्वीकार करते हुए अपनी वीरता का परिचय दे रहे हैं और उन्हें यह भी दर्शा रहे हैं कि वे किसी से कम नहीं हैं।

(ख) इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं।
जे तरजनी देखि मरि जाहीं।।
देखि कुठारु सरासन बाना।
मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।

भाव — लक्ष्मण परशुराम से कहते हैं कि हम कोई कुम्हड़बतिया (अछूता या छुईमुई का पौधा) नहीं हैं, जो आपकी तर्जनी (अंगुली) के दिखाने मात्र से ही मुरझा जाएं या डर जाएं। लक्ष्मण कहते हैं कि उन्होंने आपके फरसे, धनुष और बाण को अच्छी तरह से देख लिया है, और इसी कारण वे अभिमानपूर्वक ये बातें कह रहे हैं। इन पंक्तियों में लक्ष्मण अपनी निर्भीकता और परशुराम के प्रति अपनी चुनौती को व्यक्त कर रहे हैं।

21.

i. (अ) मुनिवर परशुराम

ii. (अ) हे मुनिश्रेष्ठ महान योद्धा होते हुए आपको बार-बार फरसा दिखाने की आवश्यकता क्या है?

iii. (स) हम दुर्बल नहीं जो आपके क्रोधपूर्ण वचनों से डर जाएँगे।

iv. (द) भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी ।।

v. (ब) देवता, ब्राह्मण, भगवान के भक्त, गाय

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App